

GEOSPATIAL WORKSHOP | GEOSMART INDIA 2025

Water Management Summit


Session 4: Community-Led Governance

Tech-enabled Participation & Multi-Level Institutional Coordination

Stakeholder Engagement & Institutional Coordination

Presented by - Dr. Shiv Singh Rawat

Convenor- Yamuna Bachao Abhiyan | PhD IIT Delhi

 3-4 December 2025

 Bharat Mandapam, New Delhi

INTRODUCTION



Which one will you stop first
from leaking?

रहीमन पानी राखिए बिन पानी सब सून।


Famous phrase by Samuel Taylor Coleridge, a
famous poet


“Water -Water everywhere - not a drop to
drink”

Service Journey & Impact Initiatives


Collaborating with communities since 2015 to engineer sustainable ecological solutions.


 **Massive Plantation** Active since 2015, increasing green cover.

 **Wells Restoration** Reviving traditional water sources.

 **#WFY Campaign** "Walk For Yamuna" advocacy movement.


 **Published Papers** Research in international journals.

 **Awards** Recognition for service excellence.

 **Pond Rejuvenation** Restoring vital local water bodies.

 **Public Awareness** Jal Panchayats & community outreach.

 **Media Coverage** TV talks, articles, and university lectures.

 **International Exposure** Water management studies in Australia & Israel.



Massive Plantation Drive (2015-2025)

Transforming Rural Landscapes

Grassroots Mobilization: Started with a focused plantation campaign in rural areas, engaging directly with farmers.

Community Engagement: Conducted meetings at *Chaupals*, successfully motivating locals to adopt aggressive planting strategies with enthusiasm and perseverance.

5 Lakh+

Fruit & other plants planted

Across 150 Villages (Palwal, Faridabad, Mewat)

Forest Cover: The Critical Gap

Ideal

33%

India

21.7%

Delhi

13.2%

Haryana

Critical Alert: Haryana has only **3.63%** forest cover (1,603 sq km) versus the total area of 44,212 sq km. The target is to urgently increase green cover to meet the National Forest Policy stability standard.

Action Needed: Yamuna & Aravalli Restoration

Strategic Interventions

Yamuna Biodiversity Parks

Developing parks along the Yamuna stretch to enhance climate resilience.

River Front Development






Creating ecological, recreational, and economic value along the river banks.

Land Utilization

Plantation drives on Panchayat lands, barren tracts, and forest lease lands.



Ecological Imperative

-  **Hydrological Cycle:** Roots retain water while leaves aid evapo-transpiration, directly recharging groundwater.
-  **Disaster Mitigation:** Trees prevent floods, check soil erosion, and offer protection from dust pollution.
-  **Climate Action:** Critical for checking global warming and absorbing carbon emissions - resulting in cleaner air.
-  **Soil Conservation:** Prevents erosion and land degradation.
-  **Economic Growth:** Direct increase in farmers' income through agro-forestry and sustainable land use.

"More Trees = More Rains"

#FruitTreesChangeLives

Transforming Lives & Landscapes

This collaborative effort goes beyond environmental sustainability. It fosters a deep sense of **community engagement** and responsibility.



Empowering Women: Helping women create sustainable livelihoods through fruit farming (SDG-5).

Target: Helping small and marginal farmers create sustainable livelihoods while addressing **7 out of 17 Sustainable Development Goals (SDGs)** by 2030.



Aligning with Global Goals



No Poverty
SDG-1



Zero Hunger
SDG-2



Good Health
SDG-3



Gender Equality
SDG-5



Clean Water
SDG-6



Reduced Inequality
SDG-10



Climate Action
SDG-13

PLANTATION PICTURES



PLANTATION PICTURES



PLANTATION MEDIA COVERAGE

फलदार पौधारोपण अभियान का जिले के गांवों में आगाज



गुरग्रांव गुणा / अधिवार संव्यवस्था

फलदार, 31 जलाई। जिले के 130 गांवों में केबीसी संस्था के सहयोग से सस्टेनेबल ग्रोन इनिशिएटिव, फलदार पौधारोपण करने वाली संस्था तथा वन ट्री प्लांटिंग द्वारा लगभग 3 लाख फलदार पौधारोपण का शुभारम्भ डॉ. शिवसिंह रावत एमई सिंचाई विभाग गुड़गांव ने कुशलीपुर गांव से किया।

डॉ. रावत ने कहा कि हमारा प्रयास है कि फलदार पौधारोपण से किसानों एवं गांवों को खुशहाल तथा आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। इससे पर्यावरण भी स्वच्छ रहेगा। डॉ. रावत ने किसानों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाने को अपील की। डॉ. रावत ने कहा कि पैट्ट हमें मुक्त में अक्सिजन देते

हैं जबकि कोरोना के दौरान अक्सिजन पैसी में भी नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य जिले के गांवों में हर साल 5 लाख फलदार पौधे लगाने का है। उन्होंने सभी लोगों से मिलकर पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने को अपील की।

फल वाले पौधों के बारे में एसबीआई के कैप्टन राशिंद्र एवं कृषि विभाग से सैम्बानिक डॉ. महावीर मलिक ने विचार जकट किये। कृषि विभाग डॉ. महावीर मलिक ने किसानों को कृषि संबंधी समस्याओं की जानकारी दी। केबीसी संस्था के प्रधान वैद्यनाथ रावत एवं विक्रम सौरा ने केबीसी संस्था के द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों के बारे में बताया और किसानों को पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये प्रोत्साहित

किया। आज कुशलीपुर, फुलगाड़ी, अलावतपुर या जन्नीली में डॉ. रावत ने पौधारोपण किया। अग्रस्त के महीने में हर शनिवार एवं रविवार को पौधारोपण कार्यक्रम रखा गया है। 14 सेंटर बनाये गये हैं जहाँ से फलदार पौधे बांटे जायेंगे।

कार्यक्रम में केबीसी से सुकम सिंह, एडवोकेट विक्रम सिंह, रविंद्र, हरुण, एडवोकेट राजेश रावत, एडवोकेट अश्वय सिंह, अजय सिंह, कैप्टन बिबेन्द्र पौसवाल, वैद्यनाथ चार्पेट, सुरेन्द्र कौशिक, राम सिंह सुबेदार, युव कोशम लाल खंडेलवाल, रामी प्रभा, मूर्देव सरपंच, किसान मोर्चा परलख के विला प्रभारी सुन्दर सरपंच एवं सभी सदस्यिकों का श्रेष्ठ सहयोग आदि गणनाय उपस्थित थे।

www.gurgaontoday.in

गुड़गांव टुडे

सं. २, अंक 157, पृष्ठ 08, गुड़गांव | गुरुवार, 09 जून 2024 | Facebook : <https://www.facebook.com/GurgaonToday/> | मूल्य २ ₹

जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए पौधारोपण जरूरी

फलदार पौधारोपण अभियान का जिले के गांवों में आगाज

गुरग्रांव गुणा / अधिवार संव्यवस्था

फलदार, 31 जलाई। जिले के 130 गांवों में केबीसी संस्था के सहयोग से सस्टेनेबल ग्रोन इनिशिएटिव, फलदार पौधारोपण करने वाली संस्था तथा वन ट्री प्लांटिंग द्वारा लगभग 3 लाख फलदार पौधारोपण का शुभारम्भ डॉ. शिवसिंह रावत एमई सिंचाई विभाग गुड़गांव ने कुशलीपुर गांव से किया।

डॉ. रावत ने कहा कि हमारा प्रयास है कि फलदार पौधारोपण से किसानों एवं गांवों को खुशहाल तथा आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। इससे पर्यावरण भी स्वच्छ रहेगा। डॉ. रावत ने किसानों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाने को अपील की। डॉ. रावत ने कहा कि पैट्ट हमें मुक्त में अक्सिजन देते हैं जबकि कोरोना के दौरान अक्सिजन पैसी में भी नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य जिले के गांवों में हर साल 5 लाख फलदार पौधे लगाने का है। उन्होंने सभी लोगों से मिलकर पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने को अपील की। फल वाले पौधों के बारे में एसबीआई के कैप्टन राशिंद्र एवं कृषि विभाग से सैम्बानिक डॉ. महावीर मलिक ने विचार जकट किये। कृषि विभाग डॉ. महावीर मलिक ने किसानों को कृषि संबंधी समस्याओं की जानकारी दी। केबीसी संस्था के प्रधान वैद्यनाथ रावत एवं विक्रम सौरा ने केबीसी संस्था के द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों के बारे में बताया और किसानों को पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये प्रोत्साहित किया। आज कुशलीपुर, फुलगाड़ी, अलावतपुर या जन्नीली में डॉ. रावत ने पौधारोपण किया। अग्रस्त के महीने में हर शनिवार एवं रविवार को पौधारोपण कार्यक्रम रखा गया है। 14 सेंटर बनाये गये हैं जहाँ से फलदार पौधे बांटे जायेंगे। कार्यक्रम में केबीसी से सुकम सिंह, एडवोकेट विक्रम सिंह, रविंद्र, हरुण, एडवोकेट राजेश रावत, एडवोकेट अश्वय सिंह, अजय सिंह, कैप्टन बिबेन्द्र पौसवाल, वैद्यनाथ चार्पेट, सुरेन्द्र कौशिक, राम सिंह सुबेदार, युव कोशम लाल खंडेलवाल, रामी प्रभा, मूर्देव सरपंच, किसान मोर्चा परलख के विला प्रभारी सुन्दर सरपंच एवं सभी सदस्यिकों का श्रेष्ठ सहयोग आदि गणनाय उपस्थित थे।

गुरग्रांव टुडे, गुड़गांव



डॉ. शिवसिंह रावत एवं केबीसी संस्था के सदस्यों ने हथौली विधानसभा क्षेत्र के हथौली शहर में टीम-जीवन के युवा साथियों से मुलाकात की और मिलकर बरसात के मौसम में हथौली शहर में पौधारोपण अभियान चलाने के लिए गहन विचार किया। सभी युवाओं ने गर्मजोशी से डॉ. शिवसिंह रावत का स्वागत किया। डॉ. रावत ने पौधारोपण के लिए बड़े पौधे उपलब्ध करवाने च हर तरह के सहयोग देने लिए कहा। टीम-जीवन के युवराज ने बताया कि डॉ. शिवसिंह रावत एवं केबीसी संस्था के सहयोग से उनको टीम ने पहले भी हथौली में पौधे लगवाए थे। डॉ. शिवसिंह रावत हथौली विधानसभा क्षेत्र में बदलाव के लिए अनेक सामाजिक कार्य करवाते रहते हैं। डॉ. रावत ने कई संस्थाओं के सहयोग से पर्यावरण, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, दिव्यांग, राहुल, शक्ति रावत नहरी पानी, लड़कियों की हेल्थ एंव हाईजीन, युवा सशक्तिकरण, सरकारी स्कूलों में शौचालय एवं सोलर पैनल जैसे कई करवाए हैं। मीटिंग में केबीसी संस्था के सचिव हुकूमसिंह रावत, एडवोकेट विक्रम सोरोत, टीम जीवन के युवराज, चकुल, प्रदीप भुलनिया, दिव्यांग, राहुल, शक्ति रावत उपस्थित रहे। नोटी की नारायण को अंतम

पौधारोपण में युवाओं की भागीदारी जरूरी : डॉ शिवसिंह रावत

गुड़गांव टुडे, हथौली

डॉ. शिवसिंह रावत एवं केबीसी संस्था के सदस्यों ने हथौली विधानसभा क्षेत्र के हथौली शहर में टीम-जीवन के युवा साथियों से मुलाकात की और मिलकर बरसात के मौसम में हथौली शहर में पौधारोपण अभियान चलाने के लिए गहन विचार किया। सभी युवाओं ने गर्मजोशी से डॉ. शिवसिंह रावत का स्वागत किया।

डॉ. रावत ने पौधारोपण के लिए बड़े पौधे उपलब्ध करवाने च हर तरह के सहयोग देने लिए कहा। टीम-जीवन के युवराज ने बताया कि डॉ. शिवसिंह रावत एवं केबीसी संस्था के सहयोग से उनको टीम ने पहले भी हथौली में पौधे लगवाए थे। डॉ. शिवसिंह रावत हथौली विधानसभा क्षेत्र में बदलाव के लिए अनेक सामाजिक कार्य करवाते रहते हैं। डॉ. रावत ने कई संस्थाओं के सहयोग से पर्यावरण, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, दिव्यांग, राहुल, शक्ति रावत नहरी पानी, लड़कियों की हेल्थ



एवं हाईजीन, युवा सशक्तिकरण, सरकारी स्कूलों में शौचालय एवं सोलर पैनल जैसे कई करवाए हैं। मीटिंग में केबीसी संस्था के सचिव हुकूमसिंह रावत, एडवोकेट विक्रम सोरोत, टीम जीवन के युवराज, चकुल, प्रदीप भुलनिया, दिव्यांग, राहुल, शक्ति रावत उपस्थित रहे। नोटी की नारायण को अंतम

डॉ. शिवसिंह रावत एवं केबीसी संस्था के सदस्यों ने हथौली विधानसभा क्षेत्र के हथौली शहर में टीम-जीवन के युवा साथियों से मुलाकात की और मिलकर बरसात के मौसम में हथौली शहर में पौधारोपण अभियान चलाने के लिए गहन विचार किया। सभी युवाओं ने गर्मजोशी से डॉ. शिवसिंह रावत का स्वागत किया। डॉ. रावत ने पौधारोपण के लिए बड़े पौधे उपलब्ध करवाने च हर तरह के सहयोग देने लिए कहा। टीम-जीवन के युवराज ने बताया कि डॉ. शिवसिंह रावत एवं केबीसी संस्था के सहयोग से उनको टीम ने पहले भी हथौली में पौधे लगवाए थे। डॉ. शिवसिंह रावत हथौली विधानसभा क्षेत्र में बदलाव के लिए अनेक सामाजिक कार्य करवाते रहते हैं। डॉ. रावत ने कई संस्थाओं के सहयोग से पर्यावरण, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, दिव्यांग, राहुल, शक्ति रावत नहरी पानी, लड़कियों की हेल्थ

Reviving Water Bodies: Ponds & Wells

Behavioral Change is Key

The Challenge: Encroachment

In a 1.5-acre wastewater pond project, villagers initially resisted renovation due to encroachment. Transforming mindsets was harder than the physical work.

"A revived pond is a revived community."

Why It Matters

Water Security

Biodiversity

Farmers Income

Climate Change





Land Restoration

Employment

Open Wells: Lost Wisdom

Shallow Aquifers vs. Bore Wells: Restoring open wells naturally recharges shallow groundwater, a sustainable alternative to deep extraction.

Community Stewardship: Reviving these ancient systems secures water equity and ecological balance.

 =  +  + 
Clean Pond = Groundwater + Wildlife + Community



The Holy Relationship: Ponds & Wells

Natural Water Circulation



Step 1: Pond Percolation
Water slowly filters through soil.



Step 2: Aquifer Recharge
Revives shallow freshwater layers.



Step 3: Clean Well Water
Feeds nearby wells with sweet water.

Ecological Harmony: While the pond supports surface wildlife, this underground link prevents over-extraction from borewells.



🏠 5000 Years of Heritage

From the Indus Valley Civilization to modern times, wells were the "heart and soul" of Indian villages—places for social gathering, rituals, and worship.

The Lost Indicator: Shallow wells visually indicated water availability, promoting "conscious use."

The Modern Gap: Borewells led to invisible consumption, causing us to lose touch with our aquifers.

Community-Led Revival in Action

Restoration of 4 Open Wells ✓

Lead by Dr. Shiv Singh Rawat
(Atal Bhujal Yojna, Haryana)

Spearheading a mass movement to revive traditional structures across **Palwal (Haryana)**.

Our Goal:

To give these open wells their due recognition and revive aquifers via efficient rainwater harvesting.

📍 Palwal, Haryana



Why This Matters

- ✓ **Efficient Harvesting:** Capturing rainwater effectively.
- ✓ **Agriculture:** Reliable water supply for farmers.
- ✓ **Social Fabric:** Reviving the village's social hub.

Pond - Constructed Wetland (Manpur Village-1.5 Acre)

BEFORE



AFTER



Open Wells – Gehlab village



Awareness Campaign: A New Phase

Rethink Every Drop

The world is entering a new phase of water awareness. This is our chance to build smarter, resilient systems.

⚠️ The Challenge

- Extreme low water availability predicted for Mediterranean, southern Africa, North America, and Asia.
- By 2100, **750+ million people** may face unreliable water supplies.



💡 The Opportunity: Nature-Based Solutions

We know what works. Proactive action makes the biggest difference:

- **Communities:** Restore ecosystems, recharge groundwater, protect wetlands.
- **Cities:** Invest in smart infrastructure & reuse technologies.
- **Rural:** Strengthen local water storage for self-reliance.

Our Core Focus: Reviving Lakes & Ponds

A healthy waterbody improves local availability, supports biodiversity, boosts groundwater, and strengthens climate resilience.

*"Every restored lake is a long-term asset.
Every clean drop is a step toward stability."*

Walk For Yamuna Campaign #WFY

Our Vision

Aviral Dhara Continuous, uninterrupted flow for ecology.

Nirmal Dhara Clean, unpolluted flow via pollution abatement.

Jan Yamuna People-River connection.

Gyan Yamuna Research & Policy formulation.

"Life flows when rivers do."

Supreme Court: Yamuna is a Living Entity.



Why We Must Walk SDG-6

- Abstraction, over exploitation, Low E-Flows & Depleting GW
- Untreated Sewage & Effluents
- Encroachment & Illegal Mining
- Interstate Disputes and lack of co-ordination
- Solid Waste & Plastics
- Ag Runoff & Deforestation
- Underutilized STPs
- Cancer & Disease Rise

Apathy of agencies affects our entire ecosystem, food chain, and future.

Yamuna: A Lifeline in Peril

☠️ The "Dead River" Reality

Despite serving 128 million people and irrigating 3.66L sq km, the UN has declared Yamuna a dead river. It has become a highly polluted drain.

Major Polluters & Impact

- **Toxic 2%:** The 22km stretch from Wazirabad to Okhla contributes **80% of total pollution**.
- **Sources:** Industrial waste, 22 drains (Najafgarh, Shahdara), Ag runoff, and religious waste.
- **Health Crisis:** Heavy metals (Uranium, Lead) in groundwater cause cancer and enter the food chain.
- **Ecological Irony:** Dry "nalla" in summer, flooding threat in monsoon due to encroachment.



The Path of Decay

Palla (Entry)
Water is clean

DO > 5 mg/L

Wazirabad Barrage
Water diverted to WTP

Flow Reduces

Okhla (Exit)
Only sewer water remains

DO = Nil

Asgarpur Status: High Ammonia & Nil Dissolved Oxygen

**It is a shame on all of us.
Yamuna is crying "Save Me!"**

Solutions: Achieving SDG-6 Goals

Quality: Science & Tech

- **Nature-Based Solutions (NBS):** Wetlands, Bioremediation, Phyto/Phyco-remediation.
- **New Circular Economy (NCE):** Treating wastewater as a resource.
- **River Rejuvenation:** Biodiversity parks & ecological restoration.

The 5 R's Philosophy

Reduce • Recycle • Reuse • Recharge • Respect

Quantity: Ancient Wisdom

- **Store & Recharge:** Floodplain reservoirs & renovation of traditional water bodies.
- **Agriculture:** Micro-irrigation, Natural farming, Crop diversification.
- **Conservation:** Rainwater Harvesting (RWHS) & reuse of treated wastewater.

Save Water → Less GW Extraction → Less Diversion → More E-Flows in River

"Rivers have self-cleansing capacity. Connecting people is the buzzword for rejuvenation."

Mobilizing for Change: What Can We Do?

In a democracy, mass mobilization influences political will. Public demand drives policy decisions.

Vision: Integrated River Basin Management



Ecological

Wetlands & Parks



Economic

Eco-Tourism



Social

Community
Connect



We Need Support From:

Public Representatives • Policy Makers • Farmers • Ex-Servicemen • Advocates • Youth/Students • Women • Corporates • Social Organizations

"Everyone who consumes water must rally for water."

Be the change you wish to see in the world!
#WalkForYamuna

Motto: 1+1=11 | "Saathi Haath Badhana"

Walk for Yamuna: Phase 1 (Pre-Yatra)

⚡ The Initial Reality

Apathy & Resistance: "Not my responsibility" attitude.

Obstacles: Addiction, freebie culture, and political fear in Panchayats.

Scope: ~100 Villages contacted.

📌 The Strategic Pivot

New Target: Youth, Schools, Universities, NGOs.

Result: 200 public meetings in 80 villages. Volunteers & Sponsors joined.

🌱 Core Philosophy

Community participation = **Ownership** = Sustainability.

"ये हवाएं-ये मंजर, यूँ ही जहरीले नहीं हुए ।
हम सब शरीके-गुनाह हैं, कुदरत के इस कत्ल में।"

"नदियाँ बचेगीं तभी दुनिया बचेगी"

*"We are all accomplices in this crime against nature.
Rivers must survive—only then will the world survive."*

"We have not inherited the earth, we borrowed it from our children."

Next: The Journey of Transformation - The Route, The Kms, The Days.

Walk for Yamuna: Phase 1 (Pre-Yatra) PICTURES



Walk for Yamuna: Phase 1 (Pre-Yatra) PRESS CONFERENCE

'यमुना नदी में विषैले पानी से लोग हो रहे हैं कैंसर से ग्रस्त'

■ यमुना बचाओ अभियान को लेकर किसान हो रहे हैं जागरूक

होडल, 7 दिसम्बर (मधुसूदन): यमुना नदी में लगातार बढ़ते आ रहे प्रदूषण को लेकर जहाँ किसान व आमजन परेशान हैं, वहीं इस मामले को लेकर डॉ शिवसिंह रावत ने यमुना बचाओ अभियान शुरू किया है। वह इस मामले को लेकर गांव गांव पहुंचकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं और इस अभियान में अधिक से अधिक जुड़ने का आग्रह कर रहे हैं।

उक्त परियोजना के आयोजन को लेकर सभा के संयोजक सेवानिवृत्त अधीक्षक अधिव्यंता डा. शिवसिंह ने अनुपम सीनियर सेंकेंडरी पब्लिक स्कूल में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। इस अवसर पर विद्यालय चैयरमैन हरद्वारी लाल श्रीवास्तव जीतापाल मौजूद थे। उन्होंने बताया कि यमुना बचाओ परियोजना का मुख्य उद्देश्य लोगों को यमुना नदी बढ़ते प्रदूषण के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि यह खास का शुभारंभ दिल्ली सीमा से लगते गांव बांगर से 2 दिसम्बर को शुरू किया गया है, जिसका समापन राष्ट्रीय किसान दिवस 23 दिसम्बर को



पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते डा. शिवसिंह रावत तथा साथ में विद्यालय चैयरमैन हरद्वारीलाल श्रीवास्तव।

हरनपुर में यमुना नदी के किनारे पर किया जाएगा। डा. शिवसिंह ने बताया कि शुरू किए गए इस अभियान में किसानों का लगातार समर्थन मिल रहा है। क्षेत्र के गांव बांगरवा से निकलने वाली अगर केनाल में पिछले कानि वर्यों से गंदा और कैमोकल युक्त पानी बहता है। उक्त विषैले पानी से ही किसान खेती करने को विवश हैं, जिसके कारण आसपास के गांवों में रहने वाले महिला पुरुषों में गंभीर बीमारियां पनप रही हैं।

उन्होंने बताया कि यमुना नदी भारत की पवित्र नदियों में से एक है। इसका धार्मिक और सामाजिक-आर्थिक महत्व है। भारतीय संस्कृति में, नदियों को केवल भौगोलिक इकाई या जल निकायों के रूप

में ही नहीं देखा जाता है, बल्कि जीवनदायिनी देवी के रूप में भी पूजा जाता है। यमुना नदी रसा और कृष्ण के निरङ्कुल प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि आज जनसंख्या और औद्योगिकरण में वृद्धि के साथ यमुना नदी देश की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र से औद्योगिक अपशिष्ट, नगरपालिका खींचरज, प्लास्टिक, बोलने, पॉलिथीन बैग, धार्मिक अपशिष्ट, शव, डबेरक और कीटनाशक आदि ने यमुना के पानी को जहरीला बना दिया है। अब यमुना नदी प्रदूषित नाले में तब्दील होकर रह गई है। उन्होंने बताया कि यमुना में एनजीटी द्वारा प्रतिबंध के बावजूद अवैध खनन, यमुना में क्रम

प्रवाह और बाढ़ के मैदानों पर अतिक्रमण के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है। नदी में प्रदूषित पानी के कारण अत्यधिक प्रजातियों में कमी आई है। इसी विषय पर पानी का उपयोग कृषि के साथ-साथ पशुओं के लिए भी किया जाता है। फरीदाबाद, पलवल, मुहनांव और मेवात सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली इस प्रदूषण की वजह से सबसे अधिक प्रभावित हैं। दिल्ली के ओखला बैराज से यमुना नदी का जहरीला पानी आगरा नहर और मुहनांव नहर के माध्यम से सिंचाई के लिये इन चार जिलों में प्रयोग किया जाता है। जिसके कारण गाँवों में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से लोग पीड़ित हो रहे हैं।

यमुना बचाओ अभियान में सभी वर्गों का सहयोग जरूरी : शिव सिंह

यमुना बाढ़ के मैदानों पर अतिक्रमण के कारण और भी गंभीर हो गई है

पलवल, (पंचम केसरी): लोक पौर यमुना (इन्फ्यूएन्स) अभियान के संयोजक डॉ शिव सिंह रावत ने कहा कि यमुना नदी बचाओ पवित्र नदियों में से एक है। इसका धार्मिक और जीवनदायिनी-आर्थिक महत्व है। भारतीय संस्कृति में, नदियों को केवल भौगोलिक इकाई या जल निकायों के रूप में ही नहीं देखा जाता है, बल्कि जीवनदायिनी देवी के रूप में भी पूजा जाता है। यमुना नदी रसा और कृष्ण के निरङ्कुल प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि आज जनसंख्या और औद्योगिकरण में वृद्धि के साथ यमुना नदी देश की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र से औद्योगिक अपशिष्ट, नगरपालिका खींचरज, प्लास्टिक, बोलने, पॉलिथीन बैग, धार्मिक अपशिष्ट, शव, डबेरक और कीटनाशक आदि ने यमुना के पानी को जहरीला बना दिया है। अब यमुना नदी प्रदूषित नाले में तब्दील होकर रह गई है। उन्होंने बताया कि यमुना में एनजीटी द्वारा प्रतिबंध के बावजूद अवैध खनन, यमुना में क्रम



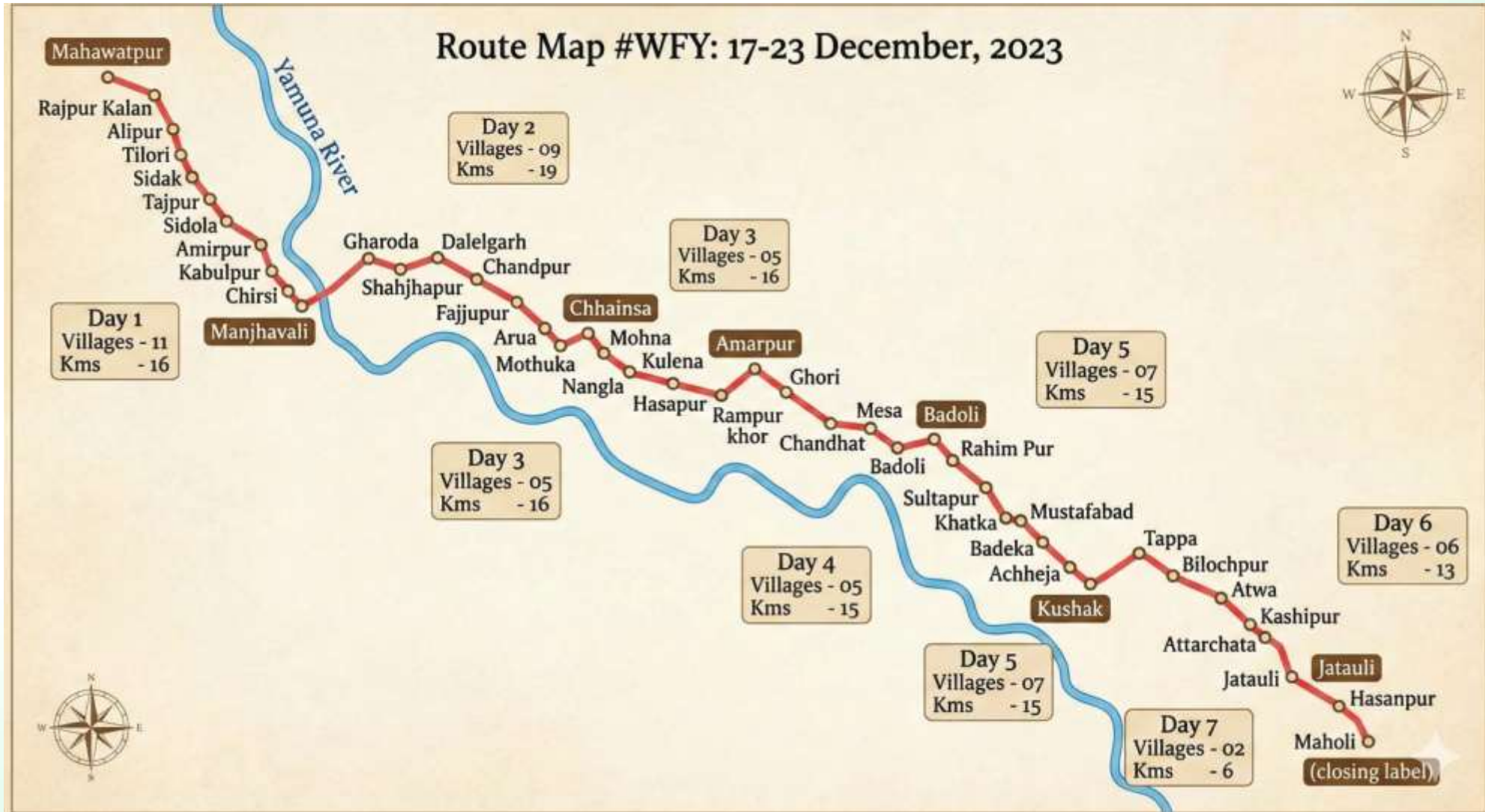
यमुना नदी का प्रदूषित पानी हमारी खाद्य श्रृंखला का हिस्सा बन गया है

यमुना नदी का प्रदूषित पानी हमारी खाद्य श्रृंखला का हिस्सा बन गया है और इसके परिणामस्वरूप आसपास के क्षेत्रों में कैंसर और अन्य बीमारियाँ बढ़ती स्वरूप्य जा रही हैं। यमुना का प्रदूषण, जिसका उपयोग कृषि के साथ-साथ पशुओं के लिए भी किया जाता है। फरीदाबाद, पलवल, मुहनांव और मेवात सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के इस प्रदूषण की वजह से सबसे अधिक प्रभावित हैं। दिल्ली के ओखला बैराज से यमुना नदी का जहरीला पानी आगरा नहर और मुहनांव नहर के माध्यम से सिंचाई के लिये इन चार जिलों में प्रयोग किया जाता है जिससे गाँवों में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से लोग पीड़ित हो रहे हैं।

देश की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक बन गई है। दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से औद्योगिक अपशिष्ट, धार्मिक अपशिष्ट, शव और कृष्ण नगरपालिका खींचरज, डेस अपशिष्ट (प्लास्टिक, बोलने, पॉलिथीन बैग, धार्मिक अपशिष्ट, शव) और कृष्ण अपशिष्ट (डबेरक और कीटनाशक) ने यमुना के पानी को जहरीला बनाया है और इसे अत्यधिक प्रदूषित नाले में

बदल दिया। यह स्थिति अत्यंत खतरनाक (एनजीटी द्वारा प्रतिबंध के बावजूद), यमुना में क्रम प्रवाह और यमुना बाढ़ के मैदानों पर अतिक्रमण के कारण और भी गंभीर हो गई है। इससे अनेक सप्ताहों तक प्रदूषित पानी बह रहा है और यमुना नदी में रहने वाली जलीय प्रजातियों में कमी आई है। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में जन सड़कें और जनता की योग्यताओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता है और सरकार से प्रभावित कर सकते हैं और सरकार से प्रभावित कार्यक्रमों को प्रभावित करने का आग्रह कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पृथ्वी, कार्बन और बरती हुई यमुना नदी को बचाने के लिए लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए जन अभियान- 'लोक पौर यमुना' (इन्फ्यूएन्स) पवित्र यमुना बचाओ परियोजना शुरू कर रहे हैं। यह खास का शुभारंभ दिल्ली सीमा से लगते गांव बांगर से 2 दिसम्बर को शुरू किया गया है, जिसका समापन राष्ट्रीय किसान दिवस 23 दिसम्बर को

Walk for Yamuna: Phase 2 (The WFY Yatra)



DAY 1- Walk for Yamuna



DAY 2 to 6- Walk for Yamuna



DAY 2 to 6- Walk for Yamuna



DAY 7- Walk for Yamuna



WALK FOR YAMUNA (WFY) CAMPAIGN

यमुना बचाओ पदयात्रा

2 दिसम्बर, 2023 राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस से
23 दिसम्बर, 2023 राष्ट्रीय किसान दिवस तक

- आओ मिलकर अलख जगाएँ, यमुना मईया को बचाएँ
- नदियाँ बचेगी तभी दुनिया बचेगी
- स्वच्छ यमुना - स्वस्थ जनता - खुशहाल किसान
तभी बनेगा सैय भारत महान
- निर्मल यमुना जल से सिंचित खेत - खलिहान
तभी स्वस्थ और खुशहाल बनेगा किसान
- मम मैं अब पलता यह सपना
निर्मल हो अब मैं यमुना



संयोजक- डॉ० शिवसिंह रावत
(पीएचडी) आई आई टी दिल्ली
वाक फॉर यमुना अभियान

- #SaveYamuna
- #SaveFarmer
- #SaveEnvironment
- #SaveMother Earth
- #CleanWater&Sanitation
SDG-6
- #NoPovertySDG-1
- #NoHungerSDG-2
- #GoodHealthSDG-3
- #ClimateActionSDG-13
- #LifeBelowWaterSDG-14
- #LifeOnLandSDG-15

आयोजक:- के.वी.सी. वेलफेयर सोसायटी, पलवल

दिल्ली बॉर्डर से शुरू हुई थी पदयात्रा




शिव सिंह रावत, संयोजक

Co-Presents
कृषि जल
दत्त कौशिक

यमुना बचाओ पदयात्रा का समापन
यमुना को स्वच्छ बनाने का दिया गया संदेश

DAY 7- Walk for Yamuna (Video)



Media Coverage- Walk for Yamuna

तेगबहादुर के शहीदी दिवस से यमुना बचाओ यात्रा का शुभारंभ हुआ-डॉ.शिवसिंह राव

डॉ.शिवसिंह राव ने शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यमुना नदी का जल सफाई करना हमारे लिए एक चुनौती है। हमें इसे सही ढंग से संभालना होगा।



यमुना नदी का जल सफाई करना हमारे लिए एक चुनौती है। हमें इसे सही ढंग से संभालना होगा। डॉ.शिवसिंह राव ने कहा कि यमुना नदी का जल सफाई करना हमारे लिए एक चुनौती है। हमें इसे सही ढंग से संभालना होगा।

श्रवतपुर गांव से शुरू हुई यमुना बचाओ यात्रा, डा. शिव सिंह ने किया नेतृत्व

श्रवतपुर गांव से शुरू हुई यमुना बचाओ यात्रा, डा. शिव सिंह ने किया नेतृत्व। उन्होंने कहा कि यमुना नदी का जल सफाई करना हमारे लिए एक चुनौती है।



डॉ.शिवसिंह राव ने श्रवतपुर गांव से यमुना बचाओ यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यमुना नदी का जल सफाई करना हमारे लिए एक चुनौती है।

यमुना बचाओ अभियान में आगे आए रस्तगार डॉ. शिव सिंह

जंगल जमीन जीवन जलवायु बचाने के लिए रूकता अभियान जारी है - डॉ शिवसिंह राव

जंगल जमीन जीवन जलवायु बचाने के लिए रूकता अभियान जारी है - डॉ शिवसिंह राव

रियाणा न्यूज़ समाचार व विचारधारा के लिए

यमुना बचाओ पदयात्रा का क्षेत्र में सामाजिक संगठ और ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा भव्य स्वागत

यमुना बचाओ पदयात्रा का क्षेत्र में सामाजिक संगठ और ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा भव्य स्वागत

यमुना बचाओ अभियान का समाज के सभी वर्ग कर रहा है स्वागत : डॉ रावत

यमुना बचाओ अभियान का समाज के सभी वर्ग कर रहा है स्वागत : डॉ रावत

यमुना बचाओ पदयात्रा का कई गांवों में हुआ शुभारंभ शिव रावत कर रहे हैं लोगों को जागरूक

यमुना बचाओ पदयात्रा का कई गांवों में हुआ शुभारंभ शिव रावत कर रहे हैं लोगों को जागरूक

हरियाणा किसान दिवस पर यमुना बचाओ के नारों से हुआ पदयात्रा का समापन

हरियाणा किसान दिवस पर यमुना बचाओ के नारों से हुआ पदयात्रा का समापन

PICTURES WITH STAKEHOLDERS



PICTURES WITH STAKEHOLDERS



MEDIA COVERAGE

'Hathnikund a barrage, not dam. It diverts Yamuna water to canals'

An Haryana Irrigation department engineer was laid low by a leg ailment, contributing to flooding in Delhi's southern opening of all 107 barrage gates to allow flow back of water

SHIV SINGH RAWAT
Hathnikund barrage to prevent flooding in Delhi

Shiv Singh Rawat

After the Hathnikund barrage was opened, the Yamuna water level rose to 10.50 m, which is 1.50 m above the normal level. The water level in the Yamuna at Hathnikund is 10.50 m, which is 1.50 m above the normal level. The water level in the Yamuna at Hathnikund is 10.50 m, which is 1.50 m above the normal level.



Shiv Singh Rawat, former Superintending Engineer of the Yamuna Irrigation Department, Haryana, is seen in a meeting with the Delhi government officials on the Hathnikund barrage.

Some water is allowed to flow through the Hathnikund barrage, which is 10.50 m above the normal level. The water level in the Yamuna at Hathnikund is 10.50 m, which is 1.50 m above the normal level.

The Hathnikund barrage is a dam-like structure that diverts water from the Yamuna river into canals. It is located in the Hathnikund area of Haryana. The barrage is 10.50 m above the normal level. The water level in the Yamuna at Hathnikund is 10.50 m, which is 1.50 m above the normal level.

It is a dam-like structure that diverts water from the Yamuna river into canals. It is located in the Hathnikund area of Haryana. The barrage is 10.50 m above the normal level. The water level in the Yamuna at Hathnikund is 10.50 m, which is 1.50 m above the normal level.

What is responsible for the non-maintenance of gates of the 107 barrage?

The 107 barrage was constructed in 1970. It is a dam-like structure that diverts water from the Yamuna river into canals. It is located in the Hathnikund area of Haryana. The barrage is 10.50 m above the normal level. The water level in the Yamuna at Hathnikund is 10.50 m, which is 1.50 m above the normal level.

It is a dam-like structure that diverts water from the Yamuna river into canals. It is located in the Hathnikund area of Haryana. The barrage is 10.50 m above the normal level. The water level in the Yamuna at Hathnikund is 10.50 m, which is 1.50 m above the normal level.

'SYL Canal essential to resolve water dispute between Punjab and Haryana'

A former Superintending Engineer of the Yamuna Irrigation Department underscores the need to build additional dams to prevent deepening agricultural, ecological crises in the Ghazal basin

SHIV SINGH RAWAT
Sylvia Singh Rawat



Shiv Singh Rawat, former Superintending Engineer of the Yamuna Irrigation Department, Haryana, is seen in a meeting with the Delhi government officials on the Hathnikund barrage.

What is the role of the SYL Canal in resolving the water dispute between Punjab and Haryana?

The SYL Canal is a dam-like structure that diverts water from the Yamuna river into canals. It is located in the Hathnikund area of Haryana. The barrage is 10.50 m above the normal level. The water level in the Yamuna at Hathnikund is 10.50 m, which is 1.50 m above the normal level.

It is a dam-like structure that diverts water from the Yamuna river into canals. It is located in the Hathnikund area of Haryana. The barrage is 10.50 m above the normal level. The water level in the Yamuna at Hathnikund is 10.50 m, which is 1.50 m above the normal level.

What is the role of the SYL Canal in resolving the water dispute between Punjab and Haryana?

The SYL Canal is a dam-like structure that diverts water from the Yamuna river into canals. It is located in the Hathnikund area of Haryana. The barrage is 10.50 m above the normal level. The water level in the Yamuna at Hathnikund is 10.50 m, which is 1.50 m above the normal level.

It is a dam-like structure that diverts water from the Yamuna river into canals. It is located in the Hathnikund area of Haryana. The barrage is 10.50 m above the normal level. The water level in the Yamuna at Hathnikund is 10.50 m, which is 1.50 m above the normal level.

जागरण सिटी गुरुग्राम

तलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर वाटर रिचार्ज करने से ही होगा समाधान

तलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर वाटर रिचार्ज करने से ही होगा समाधान

तलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर वाटर रिचार्ज करने से ही होगा समाधान

तलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर वाटर रिचार्ज करने से ही होगा समाधान

तलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर वाटर रिचार्ज करने से ही होगा समाधान

तलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर वाटर रिचार्ज करने से ही होगा समाधान



तलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर वाटर रिचार्ज करने से ही होगा समाधान

तलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर वाटर रिचार्ज करने से ही होगा समाधान

तलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर वाटर रिचार्ज करने से ही होगा समाधान

तलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर वाटर रिचार्ज करने से ही होगा समाधान

तलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर वाटर रिचार्ज करने से ही होगा समाधान

On World Environment Day

The rain can be a boon, not a bane

DR. SHIV SINGH RAWAT

On the eve of Environment Day, Dr. Shiv Singh Rawat, former Superintending Engineer of the Irrigation Department, Haryana, and Convener of the Yamuna River Conservation Society, delivered a powerful message - Let's turn this rain disaster into a water revolution. This year, instead of the usual heavyweights, many parts of India saw unseasonal and record-breaking rainfall.

Dr. Rawat strongly emphasized the urgent need to capture and conserve rainwater, which is otherwise allowed to go to waste. He advocated the use of modern rainwater harvesting technologies and strategic urban planning to make the most of every drop.



Dr. Shiv Singh Rawat, former Superintending Engineer of the Yamuna Irrigation Department, Haryana, is seen in a meeting with the Delhi government officials on the Hathnikund barrage.

He recommended that cities develop robust rainwater harvesting systems, and utilize underground water storage beneath parks, stadiums, and playgrounds. This could help ease the water scarcity in urban areas. In rural areas, he suggested creating village clusters and reviving ponds under a comprehensive strategy. These ponds should be deepened and fitted with groundwater recharge wells to improve the area's water-holding ca-

capacity. In addition, Dr. Rawat proposed launching a dedicated project to store floodwater from the Yamuna River, which can then be used for groundwater recharge throughout the year. He called on the government to take the lead in adopting such technologies and implementing them swiftly. We have the knowledge, we have the tools—what we need is the will, Dr. Rawat emphasized. If government bodies, civil society, and citizens come together, rain will no longer be a disaster—it will become our greatest opportunity.

Dr. Rawat has long been an advocate of sustainable development and works actively with organizations like Parayavaran Saranakash Gativdhi, Hamara Parivar, Swadeshi Jagran Manch, and the KEIC, society Pakhal. His efforts focus on environmental conservation, water management, education reform, and women empowerment. On world environment day Let's not let the rain run off—let's make it count. This Environment Day, let's harvest hope.

Yamuna revival: Challenges remain amid renewed political resolve

Yamuna took the centre stage during the Delhi poll campaigns, when AAP supremo Arvind Kejriwal accused BJP of polluting the river's water flowing into Delhi. Now, with BJP at the helm in Delhi, the task of cleaning the river demands zeal and coordinated action. A report by HARVY KUMAR BHARGAVA

During the last assembly election, Yamuna pollution emerged as a major campaign issue with Arvind Kejriwal alleging that BJP had polluted the river. The Yamuna River is a lifeline for Delhi, Haryana and Uttar Pradesh. It is a 1,400 km long river that flows through the states of Haryana, Uttar Pradesh and Delhi. It is a 1,400 km long river that flows through the states of Haryana, Uttar Pradesh and Delhi.



The Yamuna River is a lifeline for Delhi, Haryana and Uttar Pradesh. It is a 1,400 km long river that flows through the states of Haryana, Uttar Pradesh and Delhi.

Yamuna took the centre stage during the Delhi poll campaigns, when AAP supremo Arvind Kejriwal accused BJP of polluting the river's water flowing into Delhi. Now, with BJP at the helm in Delhi, the task of cleaning the river demands zeal and coordinated action. A report by HARVY KUMAR BHARGAVA

During the last assembly election, Yamuna pollution emerged as a major campaign issue with Arvind Kejriwal alleging that BJP had polluted the river. The Yamuna River is a lifeline for Delhi, Haryana and Uttar Pradesh. It is a 1,400 km long river that flows through the states of Haryana, Uttar Pradesh and Delhi.

Yamuna took the centre stage during the Delhi poll campaigns, when AAP supremo Arvind Kejriwal accused BJP of polluting the river's water flowing into Delhi. Now, with BJP at the helm in Delhi, the task of cleaning the river demands zeal and coordinated action. A report by HARVY KUMAR BHARGAVA

During the last assembly election, Yamuna pollution emerged as a major campaign issue with Arvind Kejriwal alleging that BJP had polluted the river. The Yamuna River is a lifeline for Delhi, Haryana and Uttar Pradesh. It is a 1,400 km long river that flows through the states of Haryana, Uttar Pradesh and Delhi.

During the last assembly election, Yamuna pollution emerged as a major campaign issue with Arvind Kejriwal alleging that BJP had polluted the river. The Yamuna River is a lifeline for Delhi, Haryana and Uttar Pradesh. It is a 1,400 km long river that flows through the states of Haryana, Uttar Pradesh and Delhi.

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान



पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पलवल जिले के लिए बजट पर अभिप्राय

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

पर्यावरण एवं जल संरक्षण का रखा जाए विशेष ध्यान

AWARDS



Ex-irrigation officer awarded for promoting green practices

TOORNA NEWS SERVICE

MUSK, NOVEMBER 02

Promer superintending engineer at Haryana Irrigation Department Shiv Singh Rawat has been honoured with the 'Green Voice' award by the Navjyoti India Foundation, an NRI for his contribution in promoting sustainable environmental practices in the region.

The award was recently given to him by Raj Bhushan Chaudhary, Union Minister of State, Ministry of Jal Shakti, at Delhi. Sena MLA Tejpal Yadav, former Lieutenant Governor of Punjab, Kiran Bedi and NITI Aayog's Additional Mission Director Arun Shrivastava were among those who attended the function as special guests. He said the function was held to mark the foundation day of the Navjyoti India Foundation, a group



Shiv Singh Rawat, a former superintending engineer at the Irrigation Department, receives the 'Green Voice' award in Delhi.

working on water conservation in various parts of the country.

Rawat said he had been active in social work for the past many years. He said he had been working on various issues related to water conservation, environmental protection, fruit plantation, improvement in edu-

cation, health improvement and women empowerment in Punjab, Gujarat, Madhya Pradesh and Haryana.

He has also been the coordinator of 'Yamuna Bachan Abhiyan' to create awareness for regarding the preservation and conservation of the water in the region.

Thank You!

Let's Walk for Yamuna

Presented by:

Dr. Shiv Singh Rawat

Convenor- Yamuna Bachao Abhiyan

PhD, IIT Delhi

#SaveRivers #SaveWater #SaveLife #WFY